



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2492]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 13, 2010/अग्रहायण 22, 1932

No. 2492]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 13, 2010/AGRAHAYANA 22, 1932

परमाणु ऊर्जा विभाग

अधिसूचना

मुम्बई, 8 दिसम्बर, 2010

का.आ. 2932(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के परामर्श से, विद्युत अधिनियम, 2003 के खण्ड 45 के उप-खण्ड (1) के साथ पठित परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33वाँ) के खण्ड 22 के उप-खण्ड (1) की धारा (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा नीचे दिए अनुसार वे मानदण्ड निर्धारित करती हैं जिनके अनुसार परमाणु बिजलीधरों द्वारा राज्य विद्युत बोर्ड को और अन्य व्यक्तियों को बिक्री की जाने वाली बिजली का शुल्क निर्धारित किया जाएगा :

1.1 तकनीकी मानदण्ड :

I स्थापित क्षमता

बिजलीधर की परमाणु ऊर्जा आयोग द्वारा अनुमोदित यथार्थवादी निष्पाद्य अपनाई जाएगी ।

II संयंत्र भार गुणक

दावित भारी पानी रिएक्टर - 68.50% जिसकी पुनरीक्षा 5 वर्ष बाद की जाएगी

कुडनकुलम परमाणु - 68.50% वाणिज्यिक प्रचालन चालू होने विद्युत संयंत्र 1 तथा 2 के बाद से दो वर्ष के लिए, जिसके बाद इसकी पुनरीक्षा की जाएगी ।

तारापुर परमाणु बिजली- - 75% जिसकी पुनरीक्षा 5 वर्ष बाद की धर 1 तथा 2/बॉयलिंग जाएगी

वाटर रिएक्टर

III स्थिरीकरण की अवधि

भावी दावित भारी पानी रिएक्टरों और कुडनकुलम परमाणु विद्युत संयंत्र 1 तथा 2 के लिए स्थिरीकरण की कोई अवधि निर्धारित नहीं की जाती है ।

IV अतिरिक्त खपत

बिजली की अतिरिक्त खपत, विभिन्न प्रकार के रिएक्टरों के लिए मानकीय उत्पादन के प्रतिशत के अनुसार निम्नानुसार मानी जाएगी :

बॉयलिंग वाटर रिएक्टर यूनिट - 9%

तारापुर परमाणु बिजलीधर 1 तथा 2

शीतलक टावरों के बिना दावित भारी - 10.5%

पानी रिएक्टर यूनिट (220 मेगावाट)

शीतलक टावरों सहित दावित - 11.75%

भारी पानी रिएक्टर यूनिट (220 मेगावाट)

शीतलक टावरों के बिना दावित - 10.2%

भारी पानी रिएक्टर (540 मेगावाट)

कुडनकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र 1 तथा 2 (1000 मेगावाट साधारण पानी रिएक्टर) 7.8% वाणिज्यिक प्रचालन चालू होने के बाद से 2 वर्षों के लिए, जिसके बाद इसकी पुनरीक्षा की जाएगी ।

V वार्षिक ईंधन पुनः प्राप्ति संबंधी प्रभार (एफआरसी)

दावित भारी पानी रिएक्टरों के मामले में पुनः प्राप्ति संबंधी प्रभार का निर्धारण इस प्रकार से किया जाएगा कि वर्तमान मूल्य 15 वर्ष की अवधि में 12% की रियायती दर पर ईंधन के आधे प्रभार के

मूल्य के बराबर हो जाए । जब कभी भी ईएमसीसीआर/ईएमएफआर आदि के बाद नया ईंधन भरा जाता है तो, वार्षिक ईंधन पुनः प्राप्ति संबंधी प्रभार का निर्धारण ईंधन के आधे क्रोड के लिए किया जाएगा । कुडनकुलम नामिकीय विद्युत संयंत्र के मामले में, वार्षिक ईंधन पुनः प्राप्ति संबंधी प्रभार के निर्धारण के लिए ईंधन के प्रारंभिक भरण के दो-तिहाई प्रभार के मूल्य को ध्यान में रखा जाएगा ।

IV ईंधन की खपत

बायेलिंग वाटर रिएक्टर (टीएपीएस)	-	138 मेगावाट डी/मिलियन किलोवाट घंटा
दावित भारी पानी रिएक्टर	-	27 किलोग्राम/मिलियन किलोवाट घंटा
(200/220/540 मेगावाट)		
साधारण जल रिएक्टर कुडनकुलम	-	125 मेगावाट डी/मिलियन किलोवाट घंटा
नामिकीय विद्युत संयंत्र- 1 तथा 2 (1000 मेगावाट)		

ईंधन की कीमत परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष अधिसूचित की जाएगी । ईंधन संबंधी लागत का परिकलन, ऊपर दी गई ईंधन की खपत की दर को किसी भी समय बिजलीघर पर उपलब्ध ईंधन की भारित औसत कीमत से गुणा करके किया जा सकता है । ईंधन की खपत संबंधी प्रभार, ईंधन की कीमत में विभिन्नता के समायोजन पर निर्भर करेगा । ऐसे समायोजन प्रभारों के परिणामस्वरूप प्रभावी शुल्क दर में विभिन्नता, शुल्क में परिवर्तन अथवा संशोधन नहीं मानी जाएगी ।

VII भारी पानी का भण्डार (प्रति वर्ष प्रति रिएक्टर)

दावित भारी पानी -	220 मेगावाट यूनिट	- 287.50 मीटरी टन रिएक्टर
दावित भारी पानी -	540 मेगावाट यूनिट	- 570 मीटरी टन रिएक्टर

VIII भारी पानी पट्टा प्रभार

पैरा VII में दिए गए के अनुसार संयंत्र द्वारा धारित भारी पानी इन्वेंट्री पर भारी पानी लीज प्रभार समय-समय पर पक्षिय द्वारा अधिसूचित दर पर देय होगा । भारी पानी पट्टा संबंधी प्रभार, कीमतों में विभिन्नताओं के समायोजन पर निर्भर करेगा और ऐसे समायोजनों के परिणामस्वरूप प्रभावी शुल्क में विभिन्नता को, शुल्क में संशोधन नहीं माना जाएगा ।

IX भारी पानी की क्षतिपूर्ति संबंधी मानदंड

सभी दावित भारी पानी रिएक्टरों के लिए -9 मीटरी टन प्रति रिएक्टर प्रतिवर्ष । क्षतिपूर्ति के लिए भारी पानी की कीमत परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाएगी । भारी पानी की क्षतिपूर्ति संबंधी प्रभार, कीमतों में विभिन्नताओं के समायोजन पर निर्भर करेगा और ऐसे समायोजनों के परिणामस्वरूप प्रभावी शुल्क में विभिन्नता को, शुल्क में संशोधन नहीं माना जाएगा ।

X परिचालन तथा अनुरक्षण (ओ एंड एम) प्रभार

आधार मानकीय परिचालन तथा अनुरक्षण प्रभार की गणना बिना बीमा प्रभार के वर्तमान पूंजीगत लागत के 2.25% पर की जाएगी । बिजलीघरों के मामले में, जहाँ बीमा को ध्यान में रखा जाता है, आधार मानकीय परिचालन तथा अनुरक्षण प्रभार की गणना वर्तमान पूंजीगत लागत के 2.25% पर की जाएगी तथा वास्तविक बीमा प्रभार वर्तमान पूंजीगत लागत के 325% तक सीमित होगा । वर्तमान पूंजीगत लागत, इतनी ही क्षमता और ऐसे ही डिजाइन की सबसे बाद में पूरी तरी गई परियोजना पर आई लागत होगी, जिसे 50:50 के अनुपात में सीधीआई तथा डब्ल्यूपीआई के भारित सूचकांक के आधार पर निर्धारण के वर्ष/शुल्क के संशोधन तक बढ़ाया जाएगा ।

X परिचालन तथा अनुरक्षण प्रभार बढ़ाया जाना

किसी शुल्क अवधि के लिए आधार परिचालन तथा अनुरक्षण प्रभारों को प्रतिवर्ष, पिछले पाँच वर्षों के भारित मूल्य सूचकांक के आधार पर बढ़ाया जाएगा । भारित मूल्य सूचकांक 50:50 के अनुपात में डब्ल्यूपीआई तथा सीधीआई सूचकांक का भारित औसत होगा । शुल्क अवधि के प्रत्येक वर्ष के लिए इस प्रकार निर्धारित परिचालन और अनुरक्षण संबंधी प्रभारों का औसत निकाला जाएगा और उसे पूर्ण शुल्क अवधि के दौरान शुल्क का परिकलन करने के लिए अपनाया जाएगा ।

1.2 वित्तीय मानदंड :

(क) परियोजना को पूरा करने पर किया गया वास्तविक पूंजीगत व्यय और शुल्क को निर्धारित करने/संशोधित करने पर किया गया अनुवर्ती पूंजीगत व्यय शुल्क निर्धारित करने का मानदंड होगा । जिस मामले में वास्तविक व्यय अनुमोदित परियोजना लागत से अधिक होगा उस मामले में सक्षम प्राधिकारी (केन्द्रीय सरकार/परमाणु ऊर्जा आयोग/बोर्ड ऑफ न्यूक्लियर पॉवर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) द्वारा अनुमोदित किए अनुसार बढ़ी हुई राशि का शुल्क निर्धारित करने के प्रयोजन हेतु वास्तविक पूंजीगत व्यय माना जाएगा ।

(ख) ऋण इक्विटी संरचना :

भावी दावित भारी पानी रिएक्टरों के लिए ऋण इक्विटी संरचना 70:30 होगी । परिचालनरत यूनिटों और निर्माणाधीन परियोजनाओं के लिए, पहले से निर्धारित निधि संरचना को अपनाया जाएगा । दावित भारी पानी रिएक्टरों के अलावा भावी परियोजनाओं के लिए, प्रौद्योगिकियों की परिपक्वता और वित्तीय व्यवस्था की बाधाओं के आधार पर प्रत्येक मामले में ऋण : इक्विटी के अनुपात का निर्धारण सरकार द्वारा किया जाएगा ।

यदि किसी भावी परियोजना के मामले में, पैरा 1.2 (क) में वर्णित वास्तविक इक्विटी पूंजीगत व्यय के 30% से अधिक हो जाती है, तो उस मामले में इक्विटी पर आय केवल कल्पित इक्विटी अर्थात् पूंजीगत व्यय के 30% पर लागू होगी और अतिरिक्त धनराशि को परियोजना के लिए जुटाए गए ऋण के समान कल्पित ऋण और ब्याज दर के रूप में माना जाएगा ।

(ग) इक्विटी पर आय (आरओई) :

इक्विटी पर आय का परिकलन शुल्क अवधि के प्रत्येक वर्ष के दौरान लागू साधारण कर दर सहित 15.5% की आधार दर के

आधार पर पूर्व-कर के रूप में किया जाएगा। जिन परियोजनाओं को मूल रूप से स्वीकृत समयावधि के भीतर कमीशन किया जाता है उनके मामले में 0.5% की इकिवटी पर अतिरिक्त आय उपलब्ध होगी।

(i) इकिवटी पूंजी निम्न रूप में वर्णित है :

“शुल्क के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बिजलीधरों के लिए इकिवटी पूंजी की संगणना, कुल संचयी निवेश में से बिजलीधर के लिए उपयोग में लाई गई ऋण राशि अर्थात् प्रदत्त और अधिग्रहित पूंजी और बिजलीधर के लिए उपयोग में लाई गई आंतरिक अधिशेष राशि को कम करने के बाद की जाएगी”।

(ii) इकिवटी को किसी भी मामले में कम नहीं किया जाएगा चाहे पूंजीगत परिसंपत्तियों का मूल्यहास हुआ हो अथवा नहीं।

(घ) ऋण राशि पर ब्याज दर :

(i) वर्ष के प्रारंभ में ऋण शीर्ष के अंतर्गत लागू ब्याज की भारित औसत दर के आधार पर ब्याज का परिकलन किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष के लिए ऋण की पुनः अदायगी उक्त वर्ष के लिए अनुमत मूल्यहास के बराबर मानी जाएगी।

(ii) भारत सरकार से बेमियादी ऋण के मामले में टैरिफ की गणना हेतु ऋण राशि कम नहीं होगी क्योंकि ऋण बेमियादी है। इकिवटी घटक पूरे बिजलीधर के जीवनकाल तक बना रहेगा और मूल्यहास नहीं होगा।

(iii) सरकारी ऋण के लिए ब्याज की गणना समय-समय पर सरकार द्वारा अधिसूचित दरों पर की जाएगी। यदि सरकार द्वारा सरकारी ऋण हेतु ब्याज की दरों में कोई परिवर्तन अधिसूचित किया जाता है, तो वह टैरिफ के संबंध में स्वतः ही संबंधित परमाणु बिजलीधर द्वारा समायोजन के माध्यम से लागू हो जाएगा। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार ब्याज दरों में हुए संशोधन के परिणामस्वरूप प्रभावी शुल्क में भिन्नता को शुल्क में संशोधन हेतु नहीं माना जाएगा।

(ङ) कार्यकारी पूंजीगत मानदंड :

(i) ईधन का भंडार, दावित भारी पानी रिएक्टरों के मामले में छः महीने की ईधन की खपत के बराबर और बायलिंग वाटर रिएक्टरों तथा साधारण जल रिएक्टरों को पुनः भरने के लिए एक रिएक्टर की ईधन की खपत के बराबर होगा।

(ii) पैरा 1.1(X) में परिभाषित वर्तमान पूंजीगत लागत 2% की दर पर ईधन का भंडार।

(iii) एक माह के लिए परिचालन और अनुरक्षण संबंधी व्यय।

(iv) फुटकर ऋणदाता : बिजली की बिक्री के लिए दो महीने की औसत बिलिंग के बराबर प्राप्त राशि।

(च) कार्यकारी पूंजी पर ब्याज :

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मध्यावधि ऋणों के लिए निर्धारित ऋण दर के आधार पर ब्याज दर की वसूली की जाएगी जो कि

एनपीसीआईएल द्वारा भुगतान किए गए दरों पर है।

(छ) विदेशी मुद्रा की विनिमय दर में भिन्नता (एफईआरबी) और हेजिंग लागत :

यदि ऋण विदेशी मुद्रा के रूप में लिया जाता है तो हेजिंग की लागत, शुल्क के रूप में वसूली की जाएगी। जहाँ विदेशी मुद्रा के लिए हेजिंग का सहारा नहीं लिया गया है, उस मामले में विदेशी मुद्रा की विनिमय दर में भिन्नता (एफईआरबी) की अनुमति दी जाएगी।

(ज) मूल्यहास :

मूल्यहास का परिकलन प्रति वर्ष 3% की दर से सरल पद्धति के आधार पर किया जाएगा। मूल्यहास का परिकलन पैरा 1.2 (क) अनुसार यूनिटों के परंपरागत लागत के आधार पर किया जाएगा।

(झ) डीकमीशनिंग उद्घरण :

डीकमीशनिंग का उद्घरण 2 पैसे प्रति किलोवाट घंटा की दर से लागू होगा।

(ञ) कर निर्धारण के लिए प्रावधान :

इकिवटी पर आय की आधार दर 15.5% पर तथा प्रत्येक वर्ष के लिए लागू साधारण आयकर की दर को समग्र रूप से लेते हुए आय कर का प्रावधान किया जाएगा।

2.0 सामान्य

- 2.1 अस्थिर विद्युत अर्थात् यूनिट के वाणिज्यिक स्तर पर प्रचालन शुरू करने से पहले हुई बिजली की बिक्री के मामले में ऐसी बिक्री से हुए किसी भी आय को पूंजीगत व्यय में कमी के रूप में माना जाएगा न कि निवल आय के रूप में।
- 2.2 यदि परमाणु बिजलीधर को सक्षम सरकार द्वारा परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 के खंड 22 के उप-खंड 1 की धारा (ख) के अनुसार उपभोक्ता को बिजली की आपूर्ति सीधे ही करने की अनुमति दी जाती है तो, ऐसी बिक्री आपस में तय हुई उन दरों पर की जाएगी, जिस पर विद्युत उत्पादन करने वाले संयंत्र और अन्य व्यक्ति (यों) के बीच सहमति हुई है, बशर्ते कि उस पर सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन हो।
- 2.3 निर्धारित संशोधित शुल्क 1 जुलाई, 2010 से प्रभावी होगा।
- 2.4 शुल्क में पांच वर्ष में एक बार संशोधन किया जाएगा।
- 2.5 शुल्क का निर्धारण स्तरबाट अथवा यूनिटवार अथवा बिजलीधर के लिए किया जाएगा।

[फा. सं. 1/2(20)/2005-पावर/खंड III/11689]

ए. पी. जोशी, अपर सचिव

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NOTIFICATION

Mumbai, the 8th December, 2010

S.O. 2932(E).—In exercise of the powers conferred, by clause (b) of sub-section (1) of Section 22 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962) read with sub-section (1) of Section 45 of the Electricity Act, 2003 the Central Government in consultation with the Central Electricity Authority, hereby determines the norms as given below in accordance with which the tariff for sale of electricity by the Atomic Power Stations to the State Electricity Boards and to other persons shall be determined :

1.1 Technical Norms :

I Installed Capacity

The realistic achievable capacity of the power station approved by the Atomic Energy Commission shall be adopted.

II Plant Load Factor

PHWRs : 68.50% to be reviewed after 5 years.
 KKNPP 1 & 2 : 68.50% for two years from commencement of commercial operation to be reviewed thereafter.
 TAPS 1 & 2/ : 75% to be reviewed after 5 years.
 BWRs

III Stabilization Period

No stabilization period is prescribed for future PHWRs and KKNPP 1 & 2.

IV Auxiliary Consumption

Auxiliary power consumption as percentage of normative generation for various types of reactors shall be taken as :

Boiling Water Reactor Units	- 9%
TAPS-1&2	
Pressurised Heavy Water Reactor Units without cooling towers (220 MW)	- 10.5%
Pressurised Heavy Water Reactor Units without cooling towers (220 MW)	- 11.75%
Pressurised Heavy Water Reactor without cooling towers (540 MW)	- 10.2%
Kundankulam Nuclear Power Plant 1&2 (1000 MW Light) Water Reactors	- 7.8% for 2 years from commencement of commercial operation and to be reviewed thereafter.

V Annual Fuel Recovery Charge (AFRC)

Annual fuel recovery charge in case of PHWR shall be so fixed that the present charges over a period of fifteen years at a discount rate of 12% shall be equal to the value of initial half charge of fuel. The AFRC shall be refixed for the half core of the fuel, whenever fresh fuel is loaded, say after EMCCR/EMFR etc. For KKNPP, the value of two-third charge of initial load of fuel would be considered to fix the AFRC.

VI Fuel Consumption

Boiling Water reactor (TAPS) :	138 MWD/Million kwh
Pressurised heavy water reactor (200/220/540 MW)	: 27 Kg/Million kwh
LWR KKNPP-1 & 2 (1000 MW)	: 125 MWD/Million kwh

The Fuel price shall be notified by DAE every year. The fuel cost shall be computed by multiplying the fuel consumption rate as given above and the weighted average price of fuel available at the station at any point of time. The fuel consumption charge will be subject to adjustment for variation in the fuel price. Variation in effective tariff rate as a result of such adjustment charges shall not be deemed to be change or revision of tariff.

VII Heavy Water Inventory (per reactor per annum)

PHWR-220 MW Unit	-	287.50 tonnes
PHWR-540 MW Unit	-	570.00 tonnes

VIII Heavy Water Lease Charges

Heavy water lease charges on the heavy water inventory held by the plant as given at Para VII will be payable at the rate notified by DAE from time to time. Heavy water lease charges will be subject to adjustment towards variations in the prices and variation in the effective tariff as a result of such adjustments shall not be deemed to be revision of the tariff.

IX Heavy Water Make Up Norm

For all Pressurised Heavy Water Reactors-9 tonnes per annum.

The price of heavy water for makeup shall be as notified by DAE from time to time. Heavy water makeup charge will be subject to adjustment towards variations in the prices and variation in the effective tariff as a result of such adjustments shall not be deemed to be revision of the tariff.

X Operation and Maintenance (O & M) Charges

The base normative O & M charges shall be calculated at 2.25% of the current capital cost without insurance charges. The base normative O & M charges, shall be calculated at 2.25% of current capital cost plus the actual insurance charges, limited to 3.25% of the current capital cost in case of stations, where insurance is taken.

The current capital cost in the cost of the latest completed project of similar capacity and design escalated to the year of fixation/revision of tariff on the basis of weighted price index of CPI and WPI in the ratio of 50 : 50.

XI Escalation of O & M Charges :

The base O & M charges fixed for a tariff period shall be escalated each year based on weighted price index for the previous five years. The weighted price index shall be the weighted average of the WPI & CPI indices in the proportion of 50:50. The O&M charges thus arrived at for each year of the tariff period shall be averaged and adopted for tariff computation through out the tariff period.

1.2 Financial Norms :

(a) The actual capital expenditure incurred on completion of the project and subsequent capital expenditure incurred upto fixation of/revision of tariff shall be the criteria for fixation of tariff. Where the actual expenditure exceeds the approved project cost, the excesses as approved by the competent authority (Central Government/Atomic Energy Commission/Board of Nuclear Power Corporation of India Limited) shall be deemed to be the actual expenditure for the purposes of determining the tariff.

(b) Debt Equity Structure :

Debt Equity Structure for future PHWRs shall be 70 : 30. For units in operation and projects, under construction, the funding structure already fixed may be adopted. For future projects other than PHWRs, the debt : equity ratio is to be decided by the Government on a case to case basis, depending on the maturity of the technology and the constrains of the financing arrangement.

In case, in a future project, the actual equity exceeds 30% of the capital expenditure as defined in para 1.2 (a), the ROE should be applicable only on notional equity i.e., 30% of the capital expenditure and excess amount will be treated as notional loan and interest rate similar to debt mobilized for the project.

(c) Return on Equity (ROE) :

The return on equity shall be computed on a pre-tax base at the base rate of 15.5% to be grossed up with the normal tax rate applicable during each year of the tariff period. An additional return on equity of 0.5% will be available to those projects which are commissioned within the originally sanctioned timelines.

(i) The equity capital is defined as below :

“Equity capital for stations for the purpose of fixation of tariff shall be reckoned as the total cumulative investment less the borrowed funds used for the station viz., paid up and subscribed capital and internal surplus utilized for the station.”

- (ii) Equity shall not be reduced irrespective of whether the capital assets have been depreciated or not.”

(d) Interest rate on Debt funds :

- (i) Interest shall be the weighted average rate of interest applicable for the year calculated on the loan port-folio at the beginning of the year. The repayment of loan for each year shall be deemed to be equal to the depreciation allowed for that year.
- (ii) In the case of perpetual loan from the Government of India, the loan amount shall not be reduced for computation of tariff as the loan is in perpetuity. The equity component shall remain constant throughout the life of the Station and shall not depreciate.
- (iii) The interest for the Government loan shall be computed at the rates notified by the Government from time to time. Any change in the interest rates for the Government loan, if notified by the Government, will be automatically effected in the tariff prospectively through an adjustment by the respective Atomic Power Station. Variations in the effective tariff as a result of the revision in interest rates as notified by the Government shall not be deemed to be a revision of the tariff.

(e) Working Capital Norms :

- (i) Fuel inventory will be equivalent to 6 months fuel consumption in case of Pressurised Heavy Water Reactors and fuel requirement of one reload for BWRs and LWRs.
- (ii) Stores inventory equivalent to 2% of the current capital cost as defined in Para 1.1(X).
- (iii) Operation and Maintenance expenditure for one month.
- (iv) Sundry debtors: Receivables equivalent to two months average billing for sale of electricity.

(f) Interest on Working Capital :

Interest on working capital shall be computed at the lending rate quoted by the State Bank of India for medium term loans, which is the rates paid by NPCIL.

(g) Foreign Exchange Rate Variation (FERV) and Hedging Costs :

Cost of hedging, if restored towards foreign currency exposure in the debt funding shall be recovered in the tariff. Where hedging for foreign exchange exposure has not been resorted to, FERV shall be allowed as pass through.

(h) Depreciation :

Depreciation shall be calculated annually, based on straight-line method at the rate of 3% per annum. The depreciation shall be calculated on the historical cost of the units as per 1.2(a).

(i) Decommissioning levy :

Decommissioning levy shall be applicable at the rate of 2 paise/kWh.

(j) Provision for taxation :

The provision for income tax would be taken into tariff by way of grossing up the base rate of return on equity at 15.5% and the normal income tax rate applicable for each year of the tariff period.

2.0 General

2.1 In respect of infirm power i.e. sale of electricity prior to commercial operation of the unit any revenue from such sale shall be taken as

reduction in capital expenditure and not as net revenue.

- 2.2 In case an Atomic Power Plant is permitted by the competent Government to supply electricity directly to a consumer in terms of clause (b) of sub-section (1) of Section 22 of the Atomic Energy Act, 1962 such sale shall be at mutually negotiated rates, agreed upon between the generating plant and the other person(s) subject to the approval of the competent Authority.
- 2.3 The revised tariffs shall be effective from 1st July, 2010.
- 2.4 The tariff shall be revised once in 5 years.
- 2.5 The tariff shall be determined stage-wise or unit-wise or for the station.

[F. No. 1/2(20)/2005-Power/Vol.III/11689]

A. P. JOSHI, Addl. Secy.